पाठ योजना

विषय संस्कृतम्
प्रथम सेमेस्टर नीति साहित्य एवं व्याकरण
B23-SKT-101

बीए प्रथम वर्ष
सत्र 2026- 27
अध्यापक का नाम: डॉ सुखबीर सिंह

मास	पाठ्यक्रम
अगस्त (01-14) 2026	हितोपदेश मित्र लाभ प्रस्तावना पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या कथासार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अगस्त (17-31) 2026	हितोपदेश वृद्ध व्याघ्र पथिककथा पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या कथासार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
सितंबर (1-15)2026	हितोपदेश वृद्ध व्याघ्र पथिककथा पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सार आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, ब्याख्यान विधि पुरस्सर)
सितंबर(16-30) 2026	नीति शतक श्लोक संख्या एक से 30 व्याख्या श्लोकों का सरलार्थ एक सूक्ति की व्याख्या (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर) कक्षा परीक्षा
अक्टूबर (01-04)2026	**मिड टर्म एग्जाम**
अक्टूबर (5-15)2026	31 से 50 व्याख्या श्लोकों का सरलार्थ एक सूक्ति की व्याख्या (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अक्टूबर (16-31)2026	कक्षा परीक्षा संस्कृत व्याकरण शब्द रूप राम कवि भानु पितृ लता अस्मद् विद्वस् राजन् तद् तीनों लिंगों में ,एक तीनों लिंगों में प्रयोजना कार्य(असाइनमेंट)
नवंबर(1-11)2026	**दीपावली अवकाश**

नवंबर(12-30)2026	धातु रुप में भू हस् नम् गम् दृश् हन् कृ नी याच् वच् ,संधि अच् संधि हल् संधि विसर्ग संधि कंठस्थ दो श्लोकों का शुद्ध लेखन। प्रयोजना कार्य(असाइनमेंट) संधि अच् संधि हल् संधि विसर्ग संधि कंठस्थ दो श्लोकों का शुद्ध लेखन।
दिसंबर (01-04)2026	पुनरावृत्ति
5.12.2026	**Preparatory Holidays**
07.12.2026 onwards	**Examination**
विशेष नोट :---	विभागीय गतिविधि के रुप में (बीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों हेतु)स्वनाम परिचय तथा संस्कृत संख्यावाची शब्दों का प्रयोग आयोजित किया जाएगा।
पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (सीएलओ): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, शिक्षार्थी सक्षम होंगे:	संस्कृत भाषा में ज्ञान की सरल मनोवैज्ञानिक विधियों केद्वारा छात्रों को बोध कराने के लिए अनेक ग्रंथ कहानी के रुप में लिखे गए जैसे पंचतंत्र हितोपदेश आदि इस घटक में हितोपदेश के मित्र लाभ प्रकरण से छात्रों को संस्कृत भाषा में प्रवेश करवाया जाता है ।नीति शतक भारतीय नीति शास्त्र तथा सुभाषित के रुप में जाना जाता है भर्तृहरि द्वारा रचित नीति शतक के प्रथम 50 श्लोकों के माध्यम से छात्रों को न्याय एवं नीति के समाज बोध की शिक्षा देने का प्रयास किया गया है संस्कृत भाषा में प्रवेश के लिए छात्रों को व्याकरण के प्रथम सोपान धातु रुप तथा शब्द रुपों का ज्ञान होना आवश्यक है इस घटक में छात्रों को सरल धातु रुपों से परिचय करवाया जाता है ताकि वे संस्कृत भाषा समझने में तत्पर हो सके भाषा में संधियों का प्रयोग परम आवश्यक है इस घटक में छात्रों को संस्कृत भाषा की संधियों का बोध करवाया जाता है ताकि वे भाषा को आसानी से समझ सके क्योंकि संधि में पदों को अलग-अलग करके अर्थ को आसानी से जाना जा सकता है।उपर्युक्त प्रकार से पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र इन सभी सोपानों के बारे में अवगत होंगे।